B.Ed. Two Year Programme

P.2.2 : Hindi

अधिकतम अंक : **100**

उद्देश्य :

- शिक्षा एवं विद्यालयी पाठ्यचर्या में भाषा के महत्त्व को रेखांकित कर सकेंगे।
- हिन्दी भाषा एवं साहित्य शिक्षण के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए प्रभावी साधनों एवं समुचित विधियों का प्रयोग कर सकेंगे।
- अपने विद्यार्थियों में अपेक्षित भाषा कौशलों के विकास के लिए स्वयं में भी भाषा- कौशलों के विकास के लिए सतत प्रयत्नशील रहेंगे।
- प्रथम भाषा अधिगम की समस्याओं को समझकर उन्हें दूर करने का प्रयास कर सकेंगे।
- अपने विद्यार्थियों के अधिगम का समुचित मूल्यांकन कर सकेंगे।

इकाई 1 हिन्दी भाषा- शिक्षण: सैद्धान्तिक परिप्रेक्ष्य

- भाषा: अर्थ, महत्त्व एवं प्रकार्य, हिन्दी भाषा की प्रकृति,
- भाषा और सम्प्रेषण, भाषा और विचार, भाषा और सृजन
- हिन्दी की व्याकरणिक व्यवस्था - ध्वनि विचार, वर्ण विचार, शब्द विचार, वाक्य विचार,
- हिन्दी शिक्षण के उद्देश्य- प्रथम भाषा एवं अन्य भाषा के रूप में, संपर्क भाषा एवं राजभाषा के रूप में, विद्यालयी पाठ्यचर्या में हिन्दी का स्थान, विभिन्न शिक्षा आयोगों एवं समितियों की संस्तुतियाँ, विद्यालयों में हिन्दी की यथार्थ स्थिति

इकाई 2 भाषा कौशलों का विकास

- भाषा कौशलों से अभिप्राय, भाषा शिक्षण में उनका स्थान एवं महत्त्व
- श्रवण कौशल - तात्पर्य, महत्त्व, उद्देश्य, प्रकार , शिक्षण विधियाँ, कौशल विकासक क्रियाएँ, मूल्यांकन
- मौखिक अभिव्यक्ति कौशल - तात्पर्य, महत्त्व, उद्देश्य, प्रकार ,मौखिक रचना की विशेषताएँ, उच्चारण संबंधी सामान्य दोष, कारण एवं निराकरण,कौशल विकासक क्रियाएँ, मूल्यांकन
- पठन कौशल - तात्पर्य, महत्त्व, उद्देश्य, पठन की विशेषताएँ,उद्देश्यों के संदर्भ में पठन के प्रकार,सस्वर तथा मौन पठन, गहन अध्ययननिष्ठ पठन तथा व्यापक पठन, पठन कौशल विकासक क्रियाएँ, पठन दोष- कारण तथा निराकरण

- लेखन कौशल - तात्पर्य, महत्त्व,शिक्षण- उद्देश्य, प्रभावी लेखन की विशेषताएँ, लिखित अभिव्यक्ति के विविध रूप,लेखन कौशल विकासक क्रियाएँ, लिखित कार्य का मूल्यांकन, संशोधन कार्य, रचना शिक्षण- निर्देशित लेखन, स्वतंत्र लेखन
- उच्च स्तरीय भाषिक कौशलों का विकास

इकाई 3 हिन्दी भाषा तथा साहित्य का शिक्षण

- हिन्दी भाषा शिक्षण में व्याकरण का स्थान,महत्त्व एवं उपयोगिता, शिक्षण उद्देश्य तथा विधियाँ
- भाषा और साहित्य - अन्तःसंबंध और भिन्नता, साहित्य के सौन्दर्यबोध के तत्त्व
- कविता का रसास्वादन - महत्त्व, उद्देश्य,आस्वाद के धरातल,कविता -शिक्षण के पक्ष- भाव एवं कला पक्ष, शिक्षण- विधियाँ,आस्वादन में शिक्षक की भूमिका,सौंदर्यबोध विकासक युक्तियाँ, मूल्यांकन
- गद्य शिक्षण - महत्त्व, उद्देश्य, गद्य विधाओं के विविध रूप(निबंध एवं निबंधेतर) तथा उनकी शिक्षण - विधियाँ, गहन अध्ययननिष्ठ पाठ एवं विस्तृत अध्ययननिष्ठ पाठों की शिक्षण विधि में अंतर, मूल्यांकन
- भाषा एवं साहित्य की विभिन्न विधाओं के माध्यम से सृजनात्मकता एवं जीवन कौशलों का विकास,
- हिन्दी भाषा और जनसंचार, जनसंचार के विविध रूप, जनसंचार माध्यमों की भाषा और विद्यार्थियों की भाषा पर उसका प्रभाव, हिन्दी शिक्षण में जनसंचार माध्यमों की भूमिका

इकाई 4 हिन्दी-शिक्षण : साधन और सामग्री

- हिन्दी पाठ्यक्रम तथा पाठ्यपुस्तकें - हिन्दी पाठ्यक्रम का आलोचनात्मक अध्ययन, पाठ्यपुस्तकों तथा पूरक पुस्तकों का महत्त्व, उद्देश्य, विशेषताएँ, निर्माण प्रक्रिया एवं मूल्यांकन, पाठ्यपुस्तक समीक्षा एवं पाठ्यपुस्तकों का समीक्षात्मक विश्लेषण
- हिन्दी शिक्षण में प्रयुक्त शैक्षिक उपकरण - शैक्षिक उपकरणों का महत्त्व एवं उनकी उपयोगिता, उपकरणों के विविध रूप- यांत्रिक एवं अयांत्रिक उपकरण, हिन्दी शिक्षण में सूचना प्रोद्योगिकी का उपयोग, ई-अधिगम संसाधन, उपकरणों एवं संसाधनों का प्रसंगानुकूल उपयोग
- पाठ्यचर्या सहगामी क्रियाएँ- स्वरूप, प्रकार एवं भाषाभिव्यक्ति के विकास में उनका महत्त्व और योगदान

इकाई 5 मूल्यांकन

- मूल्यांकन की संकल्पना, महत्त्व एवं विधियाँ, उद्देश्यनिष्ठ मूल्यांकन की आवश्यकता,सतत एवं व्यापक मूल्यांकन, मौखिक/ लिखित परीक्षण, परीक्षण प्रश्नों के प्रकार एवं उनकी निर्माण प्रक्रिया,सभी प्रकार के प्रश्नों के निर्माण का अभ्यास
- विद्यार्थियों के भाषा अधिगम में सामान्य त्रुटियाँ, निदानात्मक एवं उपचारात्मक कार्य

प्रायोगिक पक्ष : समुन्नयन क्रियाएँ (कोई तीन)

- आस - पास के किसी क्षेत्र के किसी विशिष्ट समुदाय के लोगों की भाषा का सर्वेक्षण और उनकी शब्दावली का अध्ययन - विश्लेषण
- भाषा कौशलों संबंधी भाषा खेल निर्माण
- कल्पना प्रधान एवं भावप्रधान मौलिक निबंध लेखन के लिए विषय सूची निर्माण तथा उनमें से किन्हीं दो विषयों पर निबंध लेखन
- पत्र- पत्रिकाओं में प्रकाशित रचनाओं,नई समकालीन साहित्यिक पुस्तकों का अध्ययन - विश्लेषण
- पाठ्य पुस्तकों में निर्धारित पाठों की अंतर्वस्तु से मिलती - जुलती रचनाओं का संकलन
- पाठ्यपुस्तकों में निहित अन्तःकथाओं का संकलन
- पाठ्यपुस्तकों में संकलित मुहावरों, लोकोक्तियों का स्वतंत्र प्रयोग एवं उनके अर्थ से मिलते जुलते मुहावरों, लोकोक्तियों का संकलन
- हिन्दी भाषा एवं साहित्य के संवर्धन एवं प्रोत्साहन के लिए दिए जाने वाले पुरस्कार, पुरस्कृत रचनाकार एवं उनकी रचनाओं की सूची का निर्माण
- पाठ्यपुस्तकों में निर्धारित पाठों में से किसी एक के प्रतिपाद्य विषय का चयन कर परियोजना निर्माण

संदर्भ सूची :

- अग्रवाल, पुरुषोत्तम , कुमार संजय (2000), हिन्दी: नई चाल में ढली: एक पुनर्विचार, देशकाल प्रकाशन, नई दिल्ली
- अज्ञेय, सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन (2010), वत्सल निधि प्रकाशन माला : संवित्ति, सस्ता साहित्य मण्डल प्रकाशन, नई दिल्ली
- कुमार, कृष्ण (2004), बच्चे की भाषा और अध्यापक, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, नई दिल्ली कौशिक, जयनारायण (1987), हिन्दी शिक्षण, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़
- गुप्ता,मनोरमा (1984), भाषा अधिगम, केंद्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा

- गोस्वामी, कृष्ण कुमार (1990), साहित्य भाषा और साहित्य शिक्षण, उच्च शिक्षा और शोध संस्थान, दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, हैदराबाद
- गोस्वामी, कृष्ण कुमार एवं शुक्ल देवेन्द्र (1992), साहित्य शिक्षण, उच्च शिक्षा और शोध संस्थान, मद्रास
- चतुर्वेदी, रामस्वरूप (2005), हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली
- जोसेफ जेस्सी(1997), भाषा की जैविकता, ज्ञानोदय प्रकाशन, धारवाड़
- तिवारी, पुरुषोत्तम(1992), हिन्दी शिक्षण, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी
- तिवारी, भोलानाथ(1990), हिन्दी भाषा शिक्षण, लिपि प्रकाशन, दिल्ली
- पाण्डेय, रामशकल(1993), हिन्दी शिक्षण,विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
- पांडेय, हेमचन्द्र (2001), भाषिक सम्प्रेषण और उसके प्रतिदर्श
- प्रसाद, केशव (1976), हिन्दी शिक्षण, धनपत राय एंड संस, दिल्ली
- बाछोतिया हीरलाल (2011), हिन्दी शिक्षण: संकल्पना और प्रयोग, किताबघर प्रकाशन, दिल्ली
- नागोरी,शर्मा एवं शर्मा (1976) हिन्दी भाषा एवं साहित्य शिक्षण,राजस्थान प्रकाशन
- लहरी,रजनीकान्त (1975),हिन्दी शिक्षण, राम प्रसाद एंड संस , आगरा
- व्यागात्सकी (2009), विचार और भाषा(अनू॰), ग्रंथ शिल्पी, नई दिल्ली
- श्रीवास्तव, रवीन्द्रनाथ (2009) , भाषाई अस्मिता और हिंदी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- शर्मा रामविलास (1978), भारत की भाषा समस्या, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- सिंह, निरंजन कुमार (1981) माध्यमिक विद्यालयों में हिन्दी शिक्षण, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर
- सुरेशकुमार (2001), शैलीविज्ञान, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली